Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding alleged curve of freedom of press in the country.

कुंवर दानिश अली (अमरोहा) : सभापति महोदय, आपने मुझे एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा उठाने का मौका दिया है, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। देश में पत्रकारों एवं हास्य कलाकारों की आज़ादी छीनी जा रही है। उन्हें ईमानदारी से कार्य करने एवं देश में हो रही घटनाओं की सच्चाई देश एवं दुनिया के सामने लाने पर जेल भेजा जा रहा है। आज़ाद देश में यह क्या देखने को मिल रहा है? सभापति जी, दिल्ली विधान सभा चुनाव के समय कितने तथाकथित बुद्धिजीविओं के साथ देश के कई नेताओं ने भड़काऊ भाषण व वक्तव्य दिए थे, लेकिन आज तक उनके खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है। पत्रकार जो देश का चौथा स्तंभ है, उसकी आज़ादी छीनी जा रही है। एक बार फिर देश में इमरजेन्सी जैसी स्थिति नज़र आ रही है। हाल ही में स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी को जेल भेजा गया है। सिंधु बार्डर से स्वतंत्र पत्रकार मनदीप पुनिया को गिरफ्तार किया गया है। उत्तर प्रदेश के आज़मगढ़ में दलित महिला के साथ हुए बलात्कार को कवर करने जा रहे सिद्दीक कप्पन को जेल में रखा जा रहा है। आज़मगढ़ में सरकारी स्कूल के अंदर बच्चों के झाड़ू लगाने के वीडियो बनाने वाले एक पत्रकार को गिरफ्तार किया गया है।...(**व्यवधान**)

माननीय सभापति : माननीय सदस्य, समाप्त कीजिए।

कुंवर दानिश अली : सभापति महोदय, कई ऐसे बड़े पत्रकारों के खिलाफ कई राज्यों में मुकदमें दर्ज़ किए जा रहे हैं। इस देश में आज़ाद पत्रकारिता की आवाज को दबाने का काम हो रहा है।

माननीय सभापति जी, ऐसी सैकड़ों घटनाएं सामने आई हैं। अपराध करने वाले व अन्य बदमाश सड़कों पर घूम रहे हैं, लेकिन पत्रकार और कॉमेडियनों को

जेल की सलाखों के पीछे भेजा जा रहा है।...(**व्यवधान**) माननीय सभापति जी**,** मैं आपके के माध्यम से यह अनुरोध करूंगा कि**...(व्यवधान)**